

वार्तालाप-448, उरई (यू.पी.), दिनांक-22.11.07  
Disc.CD No.448, dated 22.11.07 at Urai (Uttar Pradesh)

समय – 2.40-3.45

जिज्ञासु – बाबा उस समय लखनऊ की एक मुरली में बोला था कदम-कदम पे श्रीमत लें तो बाबा समय पे जब बात करनी होती है, तो बाबा से साकार में फोन पे बात नहीं हो पाती है।

बाबा – बाबा ने मुरली में बोला है, हर समस्या का समाधान रोज की मुरली से मिल सकता है। बड़े भाव से बड़े प्यार से रोज सवेरे को मुरली पढ़ो उसमें कल की जो समस्याएँ हुई हैं वो आज उन समस्याओं का मुरली में क्लेरिफिकेशन मिल जाता है। ऐसी बात नहीं। अभी तो लाखों-करोड़ों की तादाद में गीता पाठशालाएँ खुल जायेंगी, सेन्टर्स खुल जायेंगे। करोड़ों की तादाद में मुरलियाँ छपने लग पड़ेंगी। बोला है ना मुरली में? तो फिर डायरेक्ट कनेक्शन लगातार कैसे होगा? और ये मोबाइल-वोबाइल तो रहेंगे नहीं। ये फोन का कनेक्शन रहेगा क्या?

जिज्ञासु – नहीं रहेगा।

बाबा – फिर।

Time: 2.40-3.45

**Student:** Baba, it was said in a Murli at Lucknow that we should obtain *shrimat* at every step, so, when we wish to talk to Baba in times of need / at a particular time, we are unable to talk to Baba in corporeal form on phone.

**Baba:** Baba has said in Murlis – solution to every problem can be obtained from the daily Murli. If you read the Murli every morning with a good feeling, with a lot of love, then the clarification (i.e. solution) to yesterday's problem can be found in today's Murli. It is not so. Now lakhs and crores of *Gitapathshalas*, centers will be opened. Murlis will be published in crores. It has been said like this in the Murlis, hasn't it? So, how will one have direct connection continuously? And these mobiles will not survive. Will these phone connections continue to function?

**Student:** They will not.

**Baba:** Then?

समय – 8.45-9.58

जिज्ञासु – बाबा जैसे भट्ठी में ले जाते हैं, भाइयों को बहनों को कोई। तो उस समय तो निश्चय दे देते हैं कि नहीं हम पवित्रता धारण कर रहे हैं, धारणाओं पर चल रहे हैं और फिर भट्ठी करने के बाद यदि अपवित्र होते हैं तो फिर उसका दोष किस पर पड़ेगा ले जाने वाले पर या उसी पर?

बाबा— जो जितना पवित्रता का पालन करने का पुरुषार्थ करेगा उतना राजकुल में आयेगा। पुरुषार्थ ही नहीं किया तो नहीं आयेगा। एक, दो, चार, आठ दिन, सप्ताह भर भी पवित्र रहा तो उसको कुछ न कुछ उजूरा मिलेगा। ये तो राजयोग है। राजयोग से राजाई कुल की स्थापना हो रही है। राजाई कुल छोटा-मोटा थोड़े ही है। ये तो बेहद का परिवार है 16,108 का। कम बात है क्या? कोई प्रिंस-प्रिंसेज बनके रह जायेंगे। प्रिंस के रूप में पैदा हुए और थोड़े समय की प्राप्ति की, बस। राजा नहीं बने। युवराज भी नहीं बने, छोटे भाई बन गए। तो युवराज कहाँ बने। छोटी बहन बन गए।

Time: 8.45-9.58

**Student:** Baba, for example, someone takes brothers and sisters for bhatti. So, at that time they give letters of faith that – we are following celibacy, we are inculcating virtues and then after the completion of the *bhatti* if they become impure (i.e. break the vow of celibacy) then who will be held guilty – the one who took them (for bhatti) or the person in question?

**Baba:** The more someone makes efforts to imbibe purity, the more he/she will become a part of the royal family. If he has not made efforts at all, then he will not come. Even if he remains pure



for one, two, four, eight days, for a week, then he will certainly get returns to some extent or the other. This is rajyog. A royal clan is being established through *rajyog*. A royal clan is not small. It is an unlimited family of 16,108. Is it a small achievement? Some will remain Princes or Princesses. They take birth as Princes and enjoy the attainments for some time; that is all. They did not become kings. They did not even become a crown prince. They became the younger brother. So, did they become the crown prince? They became the younger sister.

समय – 10.01–11.13

जिज्ञासु – बाबा सतयुग में सांकेतिक भाषा क्या होगी? सांकेतिक होगी या हिन्दी होगी, क्या होगी?

बाबा— वहां भाषा बोलने की दरकार होगी? अभी भी कभी-कभी अनुभव करते हैं कि हम दूर बैठे हैं और कोई के वायब्रेशन हमारे पास आ जाते हैं। वो कहते हैं देखो, “उस दिन हमने भी ऐसा सोचा था” और वो कहेगा, “हां हमने भी सोचा था इसलिए हम तुम्हारे पास आ गए।” ऐसे भी अनुभव करते हैं कि बाबा को जब आना होता है तो दो-चार दिन पहले से ही उनको संकल्प आने लगते हैं। कहते हैं, “बाबा आनेवाले हैं।” और जब आते हैं तो कहते हैं, “अरे, पहले तो हम ऐसे संकल्प नहीं करते थे। अब ये दो-तीन दिन पहले ही क्यों संकल्प आने लगे?”

जिज्ञासु – चार दिन से इन्होंने फोन किया कि बाबा से बात करनी है.....

बाबा – दिल से दिल को राहत होती है, लेकिन सच्चा दिल होना चाहिए। और सतयुग में तो सबके सच्चे ही दिल होंगे कि झूठे दिल होंगे? (सबने कहा – सच्चे होंगे।) तो वहां भाषा की ज्यादा जरूरत नहीं है। थोड़ा सा आंख का इशारा किया और बस चल पड़े। ये नहीं कि, ‘यहां चलो।’

Time: 10.01-11.13

**Student:** Baba, what would be the sign language in the Golden Age? Will it be a sign language or Hindi? What would it be?

**Baba:** Will there be a need to speak any language there? Even now sometimes we feel that we are sitting far away and we feel someone's vibrations reaching us. He says – “Look, that day I had also thought like this”; and he would say – “Yes, I had also thought like this; that is why I have come to meet you.” People also experience that when Baba is to arrive, thoughts (about Baba's arrival) start coming to their mind two-four days in advance. They say – Baba is going to come. And when He comes, they say – Arey, earlier we did not used to get such thoughts; why did such thoughts start emerging since the last two, three days?

**Student:** This person rang up for four days to intimate that he wishes to talk to Baba...

**Baba:** It means that a heart touches/connects to the heart; but the heart should be true. And in the Golden Age, will everyone have true hearts or false hearts? (Everyone said – True ones) So, there is not much need for language there. They will just give a hint through the eyes and proceed. It is not that they will say ‘Let's go there’.

समय – 11.20–17.11

जिज्ञासु – बाबा जो ये दस साल फाउन्डेशन का, तीस साल ब्रह्मा का पार्ट तीस साल शंकर का पार्ट और तीस साल विष्णु का पार्ट। तो इस हिसाब से शंकर का पार्ट तो 2008 तक मतलब हुआ। (दो हजार) सात, आठ तक हुआ।

बाबा— ब्रह्मा का पार्ट कितना हुआ?

जिज्ञासु – तीस साल का।

बाबा— तीस साल। उसके बाद खतम हो गया? ब्रह्मा नहीं है इस सृष्टि पर?

जिज्ञासु – नहीं, चल ही रहा है।

बाबा— जब ब्रह्मा का पार्ट स्थापना के कार्य में अंत तक नूँधा हुआ है। तो ऐसे ही शंकर का पार्ट भी स्थापना के कार्य में अंत तक नूँधा हुआ है। विष्णु का पार्ट भी स्थापना, पालना और



विनाश के कार्य में अंत तक नूँधा हुआ है। ये तीनों मूर्तियाँ कब तक कार्य करेंगी? जब तक पूरी स्थापना न हो जाए। 9 लाख, 16 हजार 108 आत्माओं की जब तक पूरी पढ़ाई न हो जाए तब तक ये संगमयुग चलता ही रहेगा।

**Time: 11.20-17.11**

**Student:** Baba, ten years for foundation, thirty years Brahma's part, thirty years Shankar's part, and thirty years Vishnu's part. So, this way Shankar's part was till 2008, till (20)07, 08.

**Baba:** How long was Brahma's part played?

**Student:** Thirty years.

**Baba:** Thirty years. Did it end after that? Is Brahma not present in this world?

**Student:** No, it is going on.

**Baba:** Brahma's part is fixed in the task of establishment till the end. So, similarly, Shankar's part is also fixed in the task of establishment till the end. Vishnu's part is also fixed in the task of establishment, sustenance and destruction till the end. Until when will these three personalities work? Until the task of establishment is not completed. Until 9 lakh, 16 thousand, 108 souls do not finish their studies, this Confluence Age will continue.

जिज्ञासु – नहीं, जैसे ब्रह्मा का तो अभी अव्यक्त रूप में चल रहा है। हां, ये कहेंगे के सन् 68 से पहले दो मूर्तियाँ किसी की बुद्धि में नहीं थी। कोनसी दो मूर्तियाँ? विष्णु और शंकर कौन है, इस सृष्टि पर पार्टधारी। ब्रह्मा की मूर्ति बुद्धि में थी। लेकिन वो भी झूठी थी या सच्ची थी?

जिज्ञासु – झूठी थी। आदि ब्रह्मा नहीं था।

बाबा – आदि ब्रह्मा।

जिज्ञासु – मने गीता माता जो आदि ब्रह्मा का पार्ट था, वो बुद्धि में नहीं था ना।

बाबा – हांजी, हांजी।

जिज्ञासु – जो टेम्पररी रथ था वो बुद्धि में था उस समय।

बाबा – हांजी, हांजी।

**Student:** No, for example, Brahma's part is now going on in an *avyakta* form. Yes, it will be said that the two personalities (Shankar and Vishnu) were not present in anybody's intellect before (19)68. Which two personalities? Who play the part of Vishnu and Shankar in this world? The personality of Brahma was in the intellect (of everyone). But was it false or true?

**Student:** It was false. It/He was not the first Brahma.

**Baba:** The first Brahma.

**Student:** I mean to say – Gita mata, the part of the first Brahma was not in the intellect, was it?

**Baba:** Yes, yes.

**Student:** The temporary chariot was in the intellect at that time.

**Baba:** Yes, yes.

जिज्ञासु – तो शंकर का पार्ट क्या (20)08 के बाद जैसे सभी का है कि बाबा का ऐसा क्या पार्ट होगा कि ऐसे नहीं मिलेंगे क्या, ऐसे क्लास मुरली नहीं चलेगी क्या? क्योंकि जो ब्रह्मा का अव्यक्त पार्ट था तो शंकर का पार्ट ऐसा न हो जाए। कि उसके बाद भट्ठी कैसे होगी? क्या होगा?

बाबा – 2000 के आस-पास अव्यक्त वाणी में बोला ना, “दुनिया वालों के सामने बाप गुप्त हो गए और बच्चों के सामने प्रत्यक्ष हो गए।” अभी तो ब्रह्माकुमारियों से ही झगड़ा है, है ना? और आगे चल कर ये ब्रह्माकुमारियाँ मिल जायेंगी एडवांस पार्टी के बड़े-बड़े धर्मगुरुओं से। क्या? एडवांस पार्टी के अंदर भी तो बीज-रूप आत्माओं में बड़े-बड़े धर्म-गुरु बैठे हुए हैं। और वो विरोधी होकर के ब्रह्माकुमारियों से.....

जिज्ञासु – .....मिलेंगे।



**Student:** So, as regards Shankar's part – after (20)08, everyone has a question as to what kind of part would Baba play? Will he not meet like this? Will Classes and Murlis not be narrated like this? Because just as Brahma played an avyakt part, Shankar's part should not become like this. How will *bhatti* be organized after that? What would happen?

**Baba:** It has been said in an *avyakta vani* around 2000 that – The father became incognito for the people of the world and got revealed in front of the children. Now the dispute is only with the Brahmakumaris, isn't it? And in future these Brahmakumaris will join hands with the big religious gurus of the advance party. What? There are big religious gurus even within the advance party among the seed-form souls. And they will become opponents and (join hands) with Brahmakumaris.....

**Student:....** will join hands.

बाबा – मिलेंगे क्या, मिल रहे हैं, मिल चुके हैं, मिल रहे हैं। वो मिलकरके वहां एक हो जायेंगे, उनका गुट सारा मिल कर के उनके साथ एक हो जायेगा। फिर जो एडवांस पार्टी में सच्चा गुप है उसपे हमला करेगा। कर भी रहा है। और ब्रह्माकुमारियाँ बाहर के दुनिया के गुरुओं से मिलकरके एक हो रही हैं। हो रही हैं कि नहीं। बाहर के दुनिया के जो गुरु हैं जिनका बहुत दुनिया में मान-मर्तबा है, आसाराम बापू वगैरह, वगैरह। हाँ, तो जब बड़े-बड़े दुनिया के उन गुरुओं के साथ ब्रह्माकुमारियाँ मिल करके एक हो जाएँ और एडवांस पार्टी के लोग ब्रह्माकुमारियों से मिल कर एक हो जाएँ। धर्मगुरुओं से मिल करके हो जाएँ। और छोटा-सा गुप रह गया, सूर्यवंशियों का।

**Baba:** 'Will join hands'? They are joining hands; they have joined hands; they are joining hands. They will join hands and unite; their entire group will join hands with them. Then they will attack the true group within the advance party. They are attacking. And Brahmakumaris are joining hands with the gurus of the outside world and uniting. Are they uniting or not? The gurus of the outside world, who have a lot of respect and position in the world, Asaram Bapu, etc. Yes, when the Brahmakumaris join hands and unite with those big gurus of the (outside) world, and when the people of the advance party join hands with the Brahmakumaris, join hands with the religious gurus and a small group of *Suryavanshis* remains.

जिज्ञासु – एडवांस में से भी।

बाबा – एडवांस में सूर्यवंशियों का गुप रह गया। और सूर्यवंशियों में भी वो गुप रह गया जो चंद्रवंशी अपने को सरेंडर कर देते हैं। किसके सामने? सूर्यवंशियों के सामने। विजयमाला में से याने बी.के. में से भी कोई निकलेंगे ना। रानी मक्खी निकलती है तो उसके पीछे-पीछे झाड़ जाता है। तो वो जो आत्माएँ निकलेंगी, और इधर जो एडवांस पार्टी के सूर्यवंशी हैं, तो वो तो दुनिया के मुकाबले मुट्ठी भर रह गये ना। ये थोड़े से और वो ढेर के ढेर, करोड़ों की तादाद में। तो बड़ा भारी रेवॉल्यूशन हो जायेगा। इनके साथ भगवान और उनके साथ भगवान नहीं होगा। इसलिए उनकी हार होती जायेगी और इनकी, मुट्ठ भरों की जीत होती जाएगी, पांच पांडवों की। और अभी भी हो रही है। अरे, सन् 76 से बाप प्रत्यक्ष हुआ, एडवांस पार्टी प्रत्यक्ष हुई तो लगातार जीत हो रही है या हार हो रही है? (सबने कहा – जीत हो रही है।) जीत ही हो रही है।

**Student:** Even from the advance party?

**Baba:** The group of *Suryavanshis* remains in the advance (party). And even among the *Suryavanshis* that group of *Chandravanshis* also remained which surrenders itself. In front of whom? In front of the *Suryavanshis*. Some will also emerge from the rosary of victory, i.e. from among the B.K.s, will they not? When the queen bee emerges, then the entire tree follows her. So, those souls, which will emerge, and here the *Suryavanshis* among the advance party, so, they are just handful when compared to the world, are they not? These few and those numerous, in crores. So, a very big revolution would take place. God will be with these people and God will



not be with those people. That is why they will go on losing and these people, the handful of people, the five Pandavas will go on winning. And even now they are winning. Arey, the Father got revealed from 1976, the advance party got revealed; so, are they continuously winning or losing? (Everyone said – they are winning) They are winning.

अभी छोटा रेवॉल्युशन है। ब्राह्मणों की दुनिया तक ही सीमित है। ब्राह्मणों की दुनिया में भी उन तक सीमित है जिन्होंने जानकारी ले ली है कि ब्रह्माकुमारियाँ क्या है और प्रजापिता ब्रह्माकुमारियाँ क्या है। उन तक सीमित है। आगे चलकर सारी दुनिया जानेगी तो कितना भारी ओपोजीशन हो जायेगा। ये दुनिया के जो, बाहरी दुनिया के जो बड़े-बड़े धर्म-गुरु हैं, लाखों-लाख का मजमा लगाकर बैठते हैं और दुनिया के जो बड़े-बड़े देशों के राज्यनेता हैं जिनके हाथ में कितनी बड़ी-बड़ी पावर है। अमेरिका का जो प्रेसिडेंट होता है, उसके हाथ में कितनी पावर है। चाहे तो किसी भी देश को तहस-नहस कर दे। एक सेकण्ड नहीं लगेगा। पूरे देश का देश चौपट कर दे। इतने बड़े-बड़े धर्म नेतायें, राज्यनेतायें। और ये सब मिल कर ब्रह्माकुमारियों की तरफ हो जाए और ओपोजीशन करे तो क्या हालत होगी? परमधाम जाने के सिवाय और कोई रास्ता रह जाएगा? कोई रास्ता नहीं रह जाएगा।

Now the revolution is small. It is limited to the world of Brahmins. Even in the world of Brahmins it is limited to those who have come to know as to what Brahmakumaris are and what Prajapita Brahmakumaris are. It is limited to them. In future, when the entire world will know then there will be such big opposition. These big religious gurus of the world, of the outside world, who sit in gatherings of lakhs of people and the political leaders of the big countries of the world, who hold such great powers. The President of America holds/commands so much power. If he wishes he can destroy any country. It will not take even a second. He can destroy the entire country. They are such big religious leaders, political leaders. And if all of them join hands with the Brahmakumaris and start opposing (us), then what will be the condition? Will there be any way other than going to the Supreme Abode? There will not be any (other) way.

समय – 21.38–22.40

जिज्ञासु – बाबा सीढ़ी के चित्र में बोला गया है कि कलियुग के अंत में 500 करोड़ आबादी होती है। और अभी तो अगर दुनिया के हिसाब से देखें तो 650 करोड़ आबादी हो चुकी है।

बाबा – आबादी जो है वो मनुष्यों की वहां दिखाई गयी है कि कीड़े-मकोड़ों की दिखाई गयी है? (किसी ने कहा – कीड़े-मकोड़ों की।) मनुष्य किसे कहा जाता है? मनुष्य उसे कहा जाता है जो मनन, चिंतन, मंथन करे। अब जो पैदा होंगे 500–550 करोड़ के ऊपर, वो मनुष्य होंगे कि कीड़े-मकोड़े होंगे? आए, जन्म लिया और मरे। क्या उनकी जिंदगी है।

जिज्ञासु – कहीं-कहीं मुरली में ये बोला गया है, 5–700 करोड़ आबादी होती है।

बाबा – 750 करोड़। मने माने 200 करोड़ ऐसे हैं जो कीड़े-मकोड़े मिसल हैं। जिनका दुनिया में आना, न आना बराबर है।

जिज्ञासु – तो जो 650 करोड़ आबादी अभी हो चुकी है और 750 बाबा ने बताई है।

बाबा – जिन्होंने आबादी आंकी है, उनकी आबादी में गलती भी तो हो सकती है।

जिज्ञासु – जी।

बाबा – फिर।

Time: 21.38-22.40

**Student:** Baba, it has been said in the picture of the ladder that at the end of the Iron Age, the population is 500 crores. And now if we see from the worldly point of view, the population has reached 6.5 billions.

**Baba:** Has the population of the human beings been shown there (in the picture of ladder) or that of the worms and insects? (Someone said – of worms and insects). Who is a human being (*manushya*)? That person, who thinks and churns, is called a human being. Well, will those



(human souls) who take birth in excess of 500-550 crores (5-5.5 billion), be human beings or worms and insects? They come, take birth and die. What is their life?

**Student:** Sometimes it is said in the Murlis that the population is five to seven hundred crores.

**Baba:** 750 crores (7.5 billion). It means that 200 crores are like worms and insects, whose arrival or otherwise in the world is one and the same.

**Student:** So, the population has reached 650 crores at present and Baba has mentioned 750 (crores).

**Baba:** There can be a mistake in the calculations made by those who have estimated the population.

**Student:** Yes.

**Baba:** Then?

समय — 22.45—23.11

जिज्ञासु — बाबा ये त्रिमूर्ति के चित्र में ब्रह्मा और शंकर बैठे हुये दिखाये गये हैं, और विष्णु खड़े हुये दिखाये गये हैं। इसका कारण क्या है?

बाबा — विष्णु पवित्रता के पुरुषार्थ में अंत तक खड़ा रहता है कि अपवित्र भी बनता है? और शंकरजी विष पीते हैं कि नहीं पीते हैं? और ब्रह्मा को देहमान आता है कि नहीं आता है? नहीं तो पूजा होती मन्दिरों में, मूर्ति बनती। न पूजा होती है, न मूर्ति बनती है न मन्दिर बनते हैं।

Time: 22.45-23.11

**Student:** Baba, in this picture of Trimurty, Brahma and Shankar has been shown to be sitting and Vishnu is shown to be standing. What is the reason for this?

**Baba:** Does Vishnu continue to stand (i.e. remains determined) in making efforts for purity or does he also become impure? And does Shankarji drink poison or not? And does Brahma become body conscious or not? Otherwise, he would have been worshipped in the temples; his idols would have been prepared. He is neither worshipped nor his idols are prepared nor are temples constructed (in his memory).

समय — 23.15—25.30

जिज्ञासु — बाबा बी०के० वाले सुनना क्यों पसन्द नहीं करते हैं?

बाबा — आप प्यार से उनको सुनाना ही पसंद नहीं करते हैं। आप तो उनको मार मारना शुरू कर देते हैं।

जिज्ञासु — वो सुनना ही नहीं चाहते हैं।

बाबा — ऐसा दुनिया में कोई नहीं होता है। 'हित अनहित पशु पक्षीउ जाना।'

Time: 23.15-25.30

**Student:** Baba, why don't BKs like to listen (to the advanced knowledge)?

**Baba:** You don't like to tell them with love at all. You start beating them (with points of knowledge).

**Student:** They do not want to listen at all.

**Baba:** There is no such person in the world. '*Hit anhit pashu pakshiu jana*' (even animals and birds know what is good and what is bad for them)

जिज्ञासु — लेकिन बाबा हम तो प्यार से उनके पास जाना चाहते हैं, वो हमसे नफरत करते हैं।

बाबा — जब हम दुनिया में थे और बेसिक नॉलेज लेना शुरू किया। ब्रह्माकुमारी आश्रम में गये। तो क्या हमने लौकिक दुनिया को छोड़ दिया था। लौकिक परिवार वालों को छोड़ दिया था। (सबने कहा — नहीं।) तो उनसे प्यार करना छोड़ा था? नहीं छोड़ा ना। वो ही प्यार, जो लौकिक परिवार वालों के साथ था। न छोड़ने वाला। वो ही प्यार यहां भी हो।

जिज्ञासु — बेसिक वालों के साथ।

बाबा — बेसिक वालों के साथ वो ही प्यार होना चाहिए। वो ही भावना होनी चाहिए।



**Student:** But Baba we want to meet them with love, (but) they hate us.

**Baba:** When we were in the (outside) world and when we started obtaining the basic knowledge, when we went to the Brahmakumari ashram, did we leave the *lokik* world? Did we leave the *lokik* family? (Everyone said – No) So, did we stop loving them? We did not leave, did we? The same love that we had for the *lokik* family members; we did not leave them; we should have the same love for them.

**Student:** With those following the basic knowledge.

**Baba:** We should have the same love for those who follow the basic knowledge. We should have the same feelings.

जिज्ञासु – भावना तो रखते हैं।

बाबा – भावना तो रखते हैं लेकिन उनको सुनाते कैसी-कैसी है? लेहाडी। ऐसे कोई थोड़े ही होगा कि कोई पिटाई पिटता भी रहे और तुम्हारी पढ़ाई भी पढ़ता रहे।

जिज्ञासु – तो वो मार मारते रहेंगे, हम सुनते रहेंगे, देखते रहेंगे?

बाबा – एक परिवार में, लौकिक परिवार की बात देखो, बेसिक में। बेसिक में एक लौकिक परिवार से कोई आता है, कोई बच्चा और बेसिक ज्ञान लेकर अपने परिवार में आना-जाना करता है या रहता है। तो अपने बाप से रिगार्ड से बात करेगा या डिसरिगार्ड से बात करेगा? रिगार्ड से बात करेगा, उनके मान-सम्मान का ध्यान रखकर बात करेगा, प्यार से करेगा तो बाप सुनेगा या डिसरिगार्ड से बात करेगा तो बाप सुनेगा? 'ऐ ससरे नहीं तु तो मेरे मूत से पैदा हुआ है, मेरे से ऐसे-ऐसे बोलता है।' देह अहंकार नहीं आएगा?

जिज्ञासु – हांजी, हांजी।

**Student:** We do keep good feelings.

**Baba:** You do keep good feelings, but how do you narrate to them? *Lehadi*(?). Will there be anyone who would continue to be beaten by you and also study from you at the same time?

**Student:** So, should we keep listening, keep seeing when they keep beating us?

**Baba:** In a family; look at the *lokik* family, in basic. Someone, a child comes from the *lokik* family in the basic knowledge and after obtaining the basic knowledge, he keeps visiting his family or lives with them. So, will he talk to his father with due regard or will he show disregard for him? Will the father listen to him if he talks to him with regard, if he talks to him keeping his respect and disrespect in mind, if he talks to him lovingly or if he talks to him with disregard? He will say – O lad, I have given birth to you and you talk to me like this. Will he not feel body conscious?

**Student:** Yes, yes.

बाबा – फिर। ब्रह्माकुमारियों को भी ये आता है कि ये कल तक तो हमारे से पढ़ाई पढ़ते रहे.....

.....

जिज्ञासु – आज हमको पढ़ाते हैं।

बाबा –.....आज आकर हमको बड़े ठसके से ज्ञान सुना रहे हैं। जबकि ज्ञान सारा ईश्वर का दिया हुआ है। बेसिक नॉलेज भी उपरवाले की दी हुई है और एडवांस नॉलेज भी उपरवाले की दी हुई है। हमारा क्या है इसमें?

जिज्ञासु – नहीं बाबा वो ऐसे कहते हैं कि अपने-अपने घर में मनमत से गीता पाठशाला खोल दी है जैसे की बाप की हो।

बाबा – बाप की तो है ही। तुमने सेंटर खोल दिया है लेकिन बाप का नहीं है। तुम बाप का नहीं मानते हो। तुम धक्का देकर भगा देते हो तो बाप का कहां है?

जिज्ञासु – भगा दिया.....

बाबा – हां तो बाप का नहीं है ना। अगर बाप का होता तो तुम धक्के देकर क्यों भगाते किसी को।



**Baba:** Then? Brahmakumaris also feel that till yesterday this person was studying from us.

**Student:** Today he is teaching me.

**Baba:** .....Today he has come and is teaching me with such intoxication/ego, while the entire knowledge has been given by God, the basic knowledge as well as the advanced knowledge has been given by God. What is our contribution to it?

**Student:** No Baba, they say that you have opened *Gitapathshalas* at home on your own as if it belongs to (your) father.

**Baba:** It belongs to the Father only. You have opened centers but they do not belong to the Father. You do not consider it to be of the Father. You push and chase people away; so does it belong to the Father?

**Student:** They chase away...

**Baba:** Yes; so it does not belong to the Father, does it? Had it belonged to the Father, why would you (i.e. BKs) push and chase someone away?

समय – 26.00–26.55

जिज्ञासु – बाबा कहते भी तो हैं, बी०के० में पहुंच जाओ ना तो कहते हैं मां-बाप के यहां से लाये क्या हो? तुम कुछ भी तो लायी नहीं हो। कहती तो हैं कन्याओं से कि लौकिक मां-बाप के यहां से कुछ लायी तो नहीं हो ?

बाबा – भीख मांगो, दहेज मांगो। दहेज मांगने की ये परम्परा किसने डाली? दहेज की भीख मांगने की परम्परा किसने डाली। इन्हीं गुरुओं ने डाली।

Time: 26.00-26.55

**Student:** Baba, when we go to the BKs, they ask – what have you brought from your parents' house? You have not brought anything. They do ask the (newly surrendered BK) sisters/virgins – have you brought anything from your parents' house or not?

**Baba:** Beg, seek dowry. Who started the tradition of seeking dowry? Who laid the tradition of seeking dowry? It is these gurus.

जिज्ञासु – लेकिन उनके बीजरूप एडवांस में भी तो है बाबा।

बाबा – बीजरूप में कौन ऐसे है जो कहते हैं कि कन्या तब सरेंडर करेंगे जब पहले 10,000, 15,000, 20,000 लाओ।

जिज्ञासु – बाबा, ये शुटींग में कहा गया है न कि जो सूक्ष्म एडवांस में होगा।

बाबा – अब जब होगा तब होगा। जब तक बाप सामने है तब तक तो होनेवाला नहीं है।

जिज्ञासु – बाप साकार में साथ में है।

बाबा – ब्रह्मा बाबा भी जब सामने थे तब तक कोई पैसा नहीं मांगता था। ब्रह्मा बाबा ने जब शरीर छोड़ दिया साकार में तब ये दहेज लेना शुरू कर दिया।

**Student:** But Baba, their seed-forms are present even in the advance party, are they not?

**Baba:** Who among the seeds say that we will allow the virgin to surrender when you first bring 10,000, 15,000, 20,000?

**Student:** Baba, it has been said about shooting that whatever happens in subtle form in advance (party).....

**Student:** The Father is in corporeal form with you.

**Baba:** Even when Brahma Baba was practically present, nobody used to seek money (to allow virgins to surrender). When Brahma Baba left his corporeal body, then they started taking dowry.



समय – 29.33–30.00

जिज्ञासु – बाबा भट्ठी करने के बाद बी०के० में जाते हैं तो वो लाग बात नहीं करते, बोलते ही नहीं है।

बाबा – हां। कोई बात नहीं। बाप नाराज हो जाता है, घर में बड़े नाराज हो जाते हैं तो क्या बच्चे उनको छोड़ के चले जाते हैं? (किसी ने कुछ कहा) कोई बात नहीं। माया सबको पकड़ती है। माया ने उनको भी पकड़ लिया। नहीं पकड़ते पकड़ती? माया सबको पकड़ती है।

Time: 29.33-30.00

**Student:** Baba, after doing bhatti when we go to BKs, they do not talk to us, they do not talk at all.

**Baba:** Yes, it does not matter. If the father becomes angry, if the elders become angry, do the children leave them and go? (Someone said something) It does not matter. Maya catches everyone. Maya caught them too. Does she not catch? Maya catches everyone.

समय – 43.50–44.30

जिज्ञासु – बाबा सीढ़ी के चित्र में जैसा दिखाया है कि 2500 वर्ष तक सतयुग और त्रेता होता है और द्वापर में दिखाया है 2501 से शुरू होता है। 2501 से शुरू होता है तो जो आज चल रहा है, जैसे दो हजार सात चल रहा है। तो 2500 कैसे पूरा होता है? 2501 से जैसे चलता है तो 5000 पूरा होना चाहिये।

बाबा – जब कृष्ण की प्रत्यक्षता होगी, बाप और बच्चे का जन्म इकट्ठा हुआ है। जो कृष्ण जन्म होगा वो ही बाप का जन्म होगा। सही शिवरात्री का दिन वो होगा। तो तब से संवत् 1.1.1 शुरू मान लिया है।

Time: 43.50-44.30

**Student:** Baba, it has been shown in the picture of the ladder that there is Golden Age and Silver Age for 2500 years and it has been shown that the Copper Age begins from 2501. It begins from 2501. So, the year that is going on at present; for example, it is 2007 now. So, how does 2500 get over? When it starts from 2501, then 5000 should be completed.

**Baba:** When Krishna gets revealed, the birth of the father and the child has taken place simultaneously. The (date of) birth of Krishna will be the (date of) birth of the Father. That will be the true day of *Shivratri*. So, 1.1.1 is believed to have begun from that day.

समय – 44.30–45.07

जिज्ञासु – बाबा जैसे ईश्वरीय सेवा में समर्पण होना चाहते हैं, मतलब ईश्वरीय सेवा ही करना चाहते हैं। जैसे यहां एडवांस में कहा गया है कि मांगने से तो मरना अच्छा। तो मांगते नहीं है और कोई भी ऐसे ही देना चाहे अपनी इच्छा से, बिना मांगे कोई दे रहा है, तो वो सेवा लेना चाहिये या नहीं लेना चाहिये?

बाबा – क्यों नहीं लेना चाहिए। लेना चाहिये और ईश्वरीय सेवा में लगाना चाहिए। अपने लिए पाव भर आटा बहुत काफी है, जो मुरली में बोला हुआ है।

जिज्ञासु – क्योंकि ईश्वरीय सेवा ही करना चाहते हैं, बाकी धंधा-धोरी नहीं करना चाहते हैं।

बाबा – ईश्वरीय सेवा ही करना है, दूसरी सेवा.....जब हमें गारण्टी मिली हुई है कि ईश्वरीय सेवा में लगे हुए बच्चे भूख नहीं मर सकते। तो हम काहे के लिए दुनिया भर की अजमत मोल ले।

Time: 44.30-45.07

**Student:** Baba, for example, if someone wants to dedicate himself in Godly service, i.e. if he/she wants to do only Godly service. For example, it has been said in the advance party here that it is better to die than to seek. So, we do not seek and if someone wants to give voluntarily, if someone is giving without being asked, then should we take that service or not?



**Baba:** Why should you not take? You should take and you should invest in Godly service. It has been said in the Murli that 250 grams of wheat flour is enough for oneself.

**Student:** Because we want to do only Godly service; we don't want to do any other business.

**Baba:** We have to do only Godly service, other service....When we have been given the guarantee that those children, who are busy in Godly service, cannot die of hunger. So, why should we seek favour/obligation (*ajmat*) from the entire world?

समय – 45.08–49.22

जिज्ञासु – बाबा, जो ये गीतापाठशाला में युगल चलाते हैं, गीता पाठशाला के जो निमित्त बने हुये हैं और वो उनके युगल धंधा करते हैं। उनके युगल नौकरी धंधा करते हैं,

बाबा – पुरुष?

जिज्ञासु – पुरुष।

बाबा – हां।

जिज्ञासु – तो उनको क्या करना चाहिये, अगर वो ईश्वरीय सेवा में लग जाना चाहते हैं?

बाबा– और क्या भीख मांगे?

जिज्ञासु– छोड़ देना चाहिये?

बाबा– और वो भीख मांगेंगे घर-घर जाकर के, “हमें पैसा दे दो। हम अपनी गीता पाठशाला चलाए? या आनेवाले जिज्ञासुओं से भीख मांगे। आनेवाले जिज्ञासुओं से भीख मांगे कि हमको पैसे दे दो, हमोर पास टाट नहीं है बिछाने के लिए।

Time: 45.08-49.22

**Student:** Baba, the couples who run the *gitapathshalas*, the instruments in the *Gitapathshalas* and their spouse run business. Their spouses do jobs and businesses.

**Baba:** Men/husbands?

**Student:** Men/husbands.

**Baba:** Yes, so?

**Student:** So, what should they do, if they want to become busy in Godly service?

**Baba:** Should they beg?

**Student:** Should they stop (working)?

**Baba:** And should they go to every house and beg – Give us money? We want to run our *Gitapathshalas*. Or should they beg from the students who come (to the *gitapathshalas*)? Should they beg from the students who come (to the *gitapathshalas*) - Give us money, we do not have a canvas to spread (on the floor).

जिज्ञासु – नहीं बाबा, उनके कहने का अर्थ ये है कि मकाव वगैरे बिकरी करके और ब्याज में पैसा लगाकर, उस ब्याज से सेवा करेंगे। हम नौकरी-धेकरी नहीं करेंगे।

बाबा – अच्छी बात तो है। वो तो मुरली में ही बोला है किए 'तुम्हारे पास इतना पैसा है कि रोटी-टुक्कड़ खाते रहे और ब्याज मिलता रहे। जीवन चलता रहे। ईश्वरीय सेवा करते रहे। और क्या चाहिए। अच्छी बात तो है, खराब बात क्या है। लेकिन हिम्मत वाले होंगे वो ही करेंगे, सब थोड़े ही करेंगे।

**Student:** No Baba, he means to say that he will sell his house and invest that money to get interest and do service with that interest (earned from that money). I will not do jobs.

**Baba:** It is good. For that it has been said in the Murli that 'if you have so much money that you can eat roties and if you continue to get interest, if you can live (with that money), if you can do Godly service, then what else do you want? It is good; what is bad in it? But only those who have courage will do that; everyone will not do.



समय – 49.35–51.09

जिज्ञासु – जैसे बाबा अभी, चंडीगढ़ में पहले बाबा का खेत था तो कई कुमारों की इच्छा होती थी कि चलो वहां रह सकते हैं सरेंडर हो सकते हैं। कुछ भी मतलब, कुमारों को सोन्डर तो नहीं। अभी कई कुमारों की इच्छा होती है।

बाबा – सरेंडर कब किया है कुमारों को?

जिज्ञासु – किया नहीं वो ही बताया गया।

बाबा— कभी मुरली में बोला, बैलों को सरेंडर करके रखना है। बैलपाल गाया हुआ है, गोपाल गाया हुआ है?

जिज्ञासु – गरुपाल।

Time: 49.35-51.09

**Student:** Baba For example now Baba had a farm in Chandigarh; so many Kumars used to think that – ok, we can live there, we can surrender ourselves. Anything; Kumars are not surrendered. Even now many Kumars have this desire.

**Baba:** Have Kumars been surrendered ever?

**Student:** No.

**Baba:** Has it ever been said in the Murlis that bulls should be surrendered? Is bailpaal famous or Gaupaal famous?

**Student:** Gaupaal.

बाबा – गरुपाल गाया हुआ है। बैलों को सरेंडर होने की दरकार है? आज की दुनिया में कन्या-माताओं की सुक्षा करने के काबिल तो वो समाज बनाया नहीं कि वो चौराहे पर कोई कन्या रहे और वो सुरक्षित रह जाए। उसको तो कोई न कोई शेल्टर, कोई न कोई आसरा लेना ही पड़ेगा। कुमारों को इसकी दरकार है क्या?

जिज्ञासु – नहीं।

बाबा – फिर? बैल ता चाहे जहां चरो-भुरो।

**Baba:** Gaupaal is famous. Where is the need for the bulls to surrender? In today's world society has not made the virgins and mothers capable of living on a crossroads and remain safe. She will certainly have to seek some shelter, some support. Do the Kumars need this (shelter)?

**Student:** No.

**Baba:** Then? Bulls can graze wherever they wish.

जिज्ञासु – कुमारों की इच्छा होती है, हम भी रहे।

बाबा – मना करता है कोई। सेवा करो। हम भी रहे नहीं, सेवा करने के लिए आओ।

जिज्ञासु – कहां कम्पिल में?

बाबा – कम्पिल में रहो। चाहे दुसरे मिनी मधुबन में रहो। जहां कहीं भी सर्विस करना है। तुम्हें जहां भेजा जाए वहां रहो, सेवा करो। सर्विस करो, डिस्सर्विस न करो।

**Student:** Kumars wish that they should also live (at the farms/minimadhubans).

**Baba:** Does anyone prevent them? Do service. I should also live; no; come to do service.

**Student:** Where? At Kampil?

**Baba:** They may live at Kampil or at other minimadhubans wherever they wish to do service. Live wherever you are sent; do service. Do service, not disservice.

जिज्ञासु – जैसे महीना, दो महीना, तीन महीना ऐसे।

बाबा – हांजी। जैसे पार्वती ने वो जंगल बनाया हुआ था। कि जो भी पुरुष आएगा, वो क्या बन जाएगा? स्त्री बन जाएगा।

जिज्ञासु – स्त्री बन जाएगा?



बाबा — हां, पार्वती ने एक ऐसा काम्यक वन बनाया कि जिसमें जो भी आता था, क्या बन जाता था?

जिज्ञासु — स्त्री।

बाबा — हां। ऐसे ही देह अभिमान त्याग करके मिनी मधुवन में रहना चाहते हो तो रहो।

**Student:** For example, for a month, two months, three months.

**Baba:** Yes, For example, Parvati had grown/cursed a jungle that – what will any male become if he enters (that jungle)? He would become a female.

**Student:** Will he become a female?

**Baba:** Yes, Parvati had grown/cursed a Kamyak forest upon entering which, what would he become?

**Student:** A woman.

**Baba:** Yes. Similarly, if you wish to renounce your body consciousness and live at the Minimadhubans you can live.

समय — 58.25–01.00.02

जिज्ञासु 1 — बाबा इस समय ज्ञान में जो हैं एडवांस में जो बाबा की साकार में सी.डी. मुरली सुन करके तुरंत खिंचे चले आते हैं उनको तुरंत निश्चय हो जाता है।

जिज्ञासु 2 — आवाज सुनके ही।

जिज्ञासु 1 — आवाज सुनके ही निश्चय कर लेते हैं और निश्चय करने के बाद वो भट्टी करने जाते हैं वहां पर, फर्रुखाबाद में। तो वो जो है जन्म-जन्म के तो प्यूरिटी के लंगडे हैं। वो तो एकदम निश्चय करते हैं लेकिन, बाद में अगर मान लो विकारों में जाते हैं तो क्या उसको जो पंडा ले जाते हैं उस पर पापों का बोझ पड़ता है?

बाबा — अरे, पंडों ने तो अच्छा रास्ता बताया। ये थोड़े ही कहा कि तुम जाकर गड्ढे में गिर जाना।

Time: 58.25-01.00.02

**Student 1:** Baba, at present in the advanced knowledge, whoever listens to the CD or Murli of Baba in corporeal form, they get attracted immediately; they develop faith immediately.

**Student 2:** Just by listening to the voice.

**Student 1:** Just by listening to the voice they develop the faith and after developing the faith they go to attend bhakti at Farrukhabad. So, they are lame in purity since many births. So, they develop faith immediately, but later on, suppose they indulge in lust, so, do those who bring them as guides accumulate any sin?

**Baba:** Arey, the guides showed the correct path. They did not say that you go and fall into a pit.

जिज्ञासु — बाबा ने तो बोला है इंद्रसभा में किसी ऐसे पतित को नहीं लाना है।

बाबा — हां तो पतित को क्यों ला रहे हो। परखो कि पतित तो नहीं बन रहा है। जाते समय पतित है क्या?

जिज्ञासु 2 — नहीं कितने दिन की पवित्रता की धारणा बोल रहे हैं ये लोग या निश्चय के आधार पर है?

बाबा — जिस दिन सुना उस दिन से लेकर और जब तक तुमने सात-आठ दिन सुनाया तब तक उसके वायब्रेशन, उसकी चलन, उसके जो हाव-भाव हैं; तुम्हें दिखाई पड़ रहे हैं कि वो दुनिया से बुद्धि हट गयी।

जिज्ञासु — हांजी।

बाबा — तो उन सात दिन में तुमने जो कुछ उनको दिया वो सही दिया। वो फिर बाद में कुछ भी होता रहे। वो उनके पूर्व जन्मों के हिसाब-किताब। तुम्हारा क्या दोष?.....सेकण्ड में निश्चय होगा, उसकी निशानी नहीं होगी? उसकी निशानी भी होगी, वो दुसरे को सुनाना शुरू कर देगा। हां, वो बिना बाबा से मिले रह नहीं सकेगा।



**Student:** Baba has said that any such sinful soul should not be brought to the Court of Indra (Indrasabha).

**Baba:** Yes, so, why do you bring the sinful ones? You should check whether he is becoming sinful. Is he sinful while going (for bhatti)?

**Student 2:** No, how many days inculcation of purity is required or is it on the basis of faith?

**Baba:** From the day he heard (about the knowledge) to the seven-eight days that you narrated, his vibrations, his behaviour, his feelings, you are seeing that the intellect has become detached from the world.

**Student:** Yes.

**Baba:** So, during those seven days – whatever you gave them was correct. Whatever may happen later on. That is the karmic account of their past births. What is your fault?...Will there be no indication of someone developing faith in a second? There will be its indication also; he will start narrating to others. Yes, he will not be able to remain without meeting Baba.

01.00.05–01.00.38

जिज्ञासु – ये बताइये बाबा, जैसे मान लीजिये पति उठा लेता है ज्ञान, लेकिन पत्नी नहीं उठाती है और पति विवश है उसके चलता है और कहता है मुझे भट्ठी करना है। तो क्या करे, भट्ठी करवा दें उसको?

बाबा – पति पति है कि पत्नी है?

जिज्ञासु – वो तो मान लीजिये है। लेकिन..

बाबा– मान लीजिये क्या है? जोरु का गुलाम है तो चाहे जो कुछ करे।

01.00.05-01.00.38

**Student:** Baba, tell us, for example, the husband grasps the knowledge, but the wife does not grasp the knowledge and the husband is under compulsion; he follows (the knowledge) and says that he wants to do bhatti. So what should we do? Should we allow him to do bhatti?

**Baba:** Is a husband a husband or wife?

**Student:** Suppose he is a husband. But...

**Baba:** What do you mean by 'suppose'? If he is a slave of his wife, he may do whatever he wants.

समय – 01.00.40–01.01.33

जिज्ञासु – बाबा बांदा में भी गीतापाठशालाओं में, जैसे अंधेरे में, वहां जैसे नेपाल में कहा बाबा ने कि अंधेरे में क्लास नहीं करनी है ना।

बाबा – हां।

जिज्ञासु – तो अंधेरे में ही कन्यायें मातायें वगैरे आती-जाती हैं।

बाबा – नहीं गलत बात है। अगर कुछ हो गया रास्ते में, कोई गुंडे ने पकड़ लिया, कोई बात हो गई, तो उसका पाप किसके उपर जाएगा?

जिज्ञासु – गीता पाठशाला के निमित्त पर।

Time: 01.00.40-01.01.33

**Student:** Baba, just as Baba said in Nepal that the class should not be organized when it is dark; so even at the Gitapathshalas in Banda.....

**Baba:** Yes.

**Student:** So, virgins and mothers etc. come and go when it is still dark.

**Baba:** No, it is wrong. If anything happens on the way, if any ruffian catches them, if anything happens, then who will be responsible for / accumulate that sin?

**Student:** The one who is instrumental at the Gitapathshala.



बाबा – जो डायरेक्शन दे रहे हैं उनके ऊपर पाप जाएगा। फिर अवस्था खराब होगी। समाज में बदनामी होगी। बाप का नाम बदनाम होगा। इसलिए जब झुट-पुटा होता है तब घर से बाहर निकले क्लास करने के लिए। और शाम को भी।

जिज्ञासु – शाम को बाबा, आठ बजे के पहले-पहले, कितना?

बाबा – शाम को 7-7.30 बजे ज्यादा से ज्यादा, अंधेरा हो जाता है। उससे पहले ही क्लास छोड़ना चाहिए।

जिज्ञासु – 7-7.30 बजे।

बाबा – हांजी।

**Baba:** The one who is giving directions will accumulate the sin. Then the stage would deteriorate. One would earn a bad name in the society. The Father's name would be disgraced. That is why you should venture out of your home for the class at the break of the dawn. And even in the evening.

**Student:** Baba, in the evening, before eight O'clock? By what time?

**Baba:** In the evening, at the most by 7-7.30, when it becomes dark. The class should be over before that.

**Student:** By 7-7.30 PM.

**Baba:** Yes.

समय – 01.03.52-01.04.

जिज्ञासु – बाबा, झाड़ में पृथ्वी के गोले के ऊपर शंकर जी को दिखाया है आत्माओं को जाते हुये। तो शंकर जी के ऊपर क्यों बैठे हुये दिखाया गया है?

बाबा – हां। विनाश का देवता कौन है?

जिज्ञासु – शंकर है। मने सारी आत्माओं को वो.....

बाबा – हांजी, खींचता है। तुम बच्चों को नैनो पे बिठा कर ले जाऊंगा। नैन इतने छोटे हैं बच्चे इतने बड़े-बड़े हैं। बाबा के दृष्टि की पावर से बच्चों को खींचा जाएगा।

**Time:** 01.03.52-01.04

**Student:** Baba, Shankarji has been shown atop a globe in the (picture of) Tree along with souls that are departing. So, why has Shankarji been shown to be sitting atop?

**Baba:** Yes. Who is the deity of destruction?

**Student:** Shankar. Does it mean that he takes all the souls....

**Baba:** Yes, he pulls them. I will take you children seated on the eye (lids). The eyes are so small, the children are so big. Children will be pulled through the power of Baba's drishti.

.....  
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.